بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ نَحۡمَدُہٗ وَنُصَلِّیۡ عَلٰی رَسُوۡلِہِ الۡکَرِیۡمِ وَعَلٰی عَبۡدِہِ الۡمَسِیۡحِ الۡمَوۡعُوۡدِ

لَا اِلٰہَ اِلَّا اللّٰہُ مُحَمَّدٌ رَّسُوۡلُ اللّٰہِ

دفتر مجلس انصاراللہ بھارت

Office Of The Majlis Ansarullah Bharat

Mohallah Ahmadiyya Qadian-143516, Distt.Gurdaspur (Punjab) INDIA

Mob.9682536974,E-Mail :ansarullah@qadian.in KhulasaKhutba-26.05.2023 محلہ احمدیہ قادیان ۱۴۳۵۱۶ ضلع: گورداسپور (پنجاب)

ख़िलाफ़ते हक़्क़ह (सच्ची ख़िलाफ़त) के समर्थन को प्रदर्शित करने वाली कुछ ईमान वर्धक घटनाओं का वर्णन।

सारांश ख़ुत्बः जुम्अः सय्यदना अमीरुल मोमिनीन हज़रत मिर्ज़ा मसरूर अहमद ख़लीफ़तुल मसीह अल-ख़ामिस अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़, बयान फ़र्मूदा 26 मई 2023, स्थान मस्जिद मुबारक इस्लामाबाद यू. के.।

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلٰهَ إِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيْكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُوْلُهُ

امّا بعد فاعوذ باللّٰہ من الشیطٰن الرجیم۔ بِسۡمِ اللّٰہِ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ

اَلۡحَمۡدُ لِلّٰہِ رَبِّ الۡعَالَمِیۡنَ ۔ الرَّحۡمٰنِ الرَّحِیۡمِ ۔ مٰلِکِ یَوۡمِ الدِّیۡنِ ۔ اِیَّاکَ نَعۡبُدُ وَاِیَّاکَ نَسۡتَعِیۡنُ ۔ اِہۡدِنَا الصِّرَاطَ الۡمُسۡتَقِیۡمَ ۔ صِرَاطَ الَّذِیۡنَ اَنۡعَمۡتَ عَلَیۡہِمۡ غَیۡرِ الۡمَغۡضُوۡبِ عَلَیۡہِمۡ وَلَا الضَّآلِّیۡنَ ۔

तशह्हुद तअव्वुज़ तथा सूरः फ़ातिहः की तिलावत के बाद हुज़ूर-ए-अनवर अय्यदहुल्लाहु तआला बिनस्रिहिल अज़ीज़ ने फ़रमाया- अल्लाह तआला ने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम को जब यह सूचना दी कि आपका इस दुनिया से विदा होने का समय निकट आ गया है तो आपने जमाअत को सम्बोधित करते हुए फ़रमाया- अल्लाह तआला दो प्रकार की क़ुदरत प्रकट करता है, पहले स्वयं नबियों के हाथ से अपनी क़ुदरत दिखाता है, दूसरे ऐसे समय पर जब नबी के निधन के बाद कठिनाईयों का सामना हो जाता है तथा दुशमन ज़ोर पकड़ जाते तथा समझते हैं कि अब काम बिगड़ गया तथा विश्वास कर लेते हैं कि अब यह जमाअत नष्ट हो जाएगी और स्वयं जमाअत के लोग भी विचलित हो जाते हैं तथा उनकी कमरें टूट जाती हैं और कई अभागे मुर्तद (जमाअत से विमुख) होने की राहां पर चले जाते हैं, तब ख़ुदा तआला दूसरी बार अपने शक्ति शाली क़ुदरत को प्रकट करता है तथा गिरी हुई जमाअत को संभाल लेता है। अतएव वह जो अन्त तक संयम से काम लेता है ख़ुदा तआला उसको चमत्कार दिखाता है, जैसा कि हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ रज़ी के समय में हुआ जबकि आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की मौत एक बिना समय पर आने वाली मौत समझी गई तथा अनेक मूढ़ आदिवासो मुर्तद हो गए तथा सहाबा रज़ी. भी दुःख के मारे दीवानों की भांति हो गए, तब ख़ुदा तआला ने हज़रत अबू बकर सिद्दीक़ को खड़ा करके दोबारा अपनी क़ुदरत का नमूना दिखाया तथा इस्लाम का विनाश होते होते थाम लिया तथा उस वादे को पूरा किया जो फ़रमाया था- وَلَيُمَكِّنَنَّ لَهُمْ دِيْنَهُمُ الَّذِي ارْتَضٰى لَهُمْ وَلَيُبَدِّلَنَّهُمْ مِّنْۢ بَعْدِ خَوْفِهِمْ اَمْنًا अर्थात- भय के बाद हम फिर उनके पाँव जाम देंगे।

ऐसा ही हज़रत मूसा अलैहिस्सलाम के समय में हुआ जब वे मिस्र तथा कनआन की राह में पहले उससे कि जो बनी इसराईल को वादे के अनुसार उद्देश्य की मंज़िल को पहुचावें, फ़ौत हो गए। तब बनी इसराईल में एक मातम बर्पा हुआ वे चालीस दिन तक रोते रहे।

हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने फ़रमाया कि तुम्हारे लिए दूसरी क़ुदरत का भी देखना अनिवार्य है तथा उसका आना तुम्हारे लिए अच्छा है, क्यूँकि वह अनन्त ह जिसका सिलसिला क़यामत तक नहीं टूटेगा और वह दूसरी क़ुदरत नहीं आ सकती जब तक मैं न जाऊँ, परन्तु जब मैं जाऊँगा तो फिर ख़ुदा तआला उस दूसरी क़ुदरत को तुम्हारे लिए भेज देगा जो सदैव तुम्हारे साथ रहेगी जैसा कि ख़ुदा का बराहीन अहमदिया में वादा है।

अतः जब हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का देहान्त हुआ तो अल्लाह तआला ने अपने वादे के अनुसार हज़रत मौलान नूरुद्दीन साहब रज़ी के हाथ पर जमाअत को एकत्र किया। कुछ लोग चाहते थे कि अंजुमन के हाथ में व्यवस्था रह परन्तु उन्होंने अपन लोहे के हाथों से इस उपद्रव को मिटाया। फिर हज़रत ख़लीफ़तुल मसीह सानी रज़ी. ख़िलाफ़त के पद पर सुशोभित हुए उस अवसर पर भी पाखंडियों ने जमाअत में विघ्न डालने का प्रयास किया परन्तु अल्लाह तआला ने मोमिनों की जमाअत को एक हाथ पर जमा कर दिया तथा विरोधी असफल एवं निराश हो गए। आप रज़ी. के निधन के पश्चात तीसरी ख़िलाफ़त का दौर शुरु हुआ तथा उसके बाद चौथी ख़िलाफ़त का दौर शुरु हुआ।

तत्पश्चात हुज़ूरे अनवर ने उच्च स्तरीय विनय एवं निःस्वार्थ को प्रकट करते हुए फ़रमाया कि अल्लाह तआला ने मुझे इस स्तर पर सुशोभित करके हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम से किए हुए वादे के अनुसार जमाअत को उन्नति के रास्ते पर चला दिया। दुशमन ने मतभेद पैदा करने की बड़ी कोशिशें कीं, अहमदियों को शहीद किया गया, सांसारिक लोभ दिए गए परन्तु अल्लाह तआला दुनिया भर के अहमदियों को ईमान एवं विवेक में बढ़ाता चला गया।

अहमदियों का ख़िलाफ़त के साथ जो सम्बंध है वह केवल एवं केवल अल्लाह तआला ही पैदा कर सकता है, किसी मनुष्य में यह सामर्थ्य नहीं है कि ऐसी मुहब्बत तथा निष्ठा का सम्बंध पैदा करे जो जमाअत के लोगों को ख़िलाफ़त से है तथा ख़लीफ़ः ए वक़्त को जमाअत के साथ है। मैं जिस देश में भी जाता हूँ वहाँ ये दृश्य दिखाई देते हैं और ये केवल कहने की बातें नहीं हैं बल्कि आजकल तो कैमरे की आँख उनको सुरक्षित कर लेती है। एम टी ए ये दृश्य दिखाती रहती है तथा इनको देख कर विरोधी भी यह कहने पर विवश हैं कि अल्लाह तआला की क्रिया शील शहादत तुम्हारे साथ है और फिर हज़ारों पत्र जो मुझे आते हैं, ख़िलाफ़त से निष्ठा एवं श्रद्धा को प्रकट करते हैं। अल्लाह तआला कैसे स्वयं लोगों को ख़िलाफ़त से जोड़ता है तथा किस तरह उनके दिलों में ख़िलाफ़त से प्रेम पैदा कर देता है, कुछ पत्रों के नमूने आपक सामने रखता हूँ।

तंज़ानियः के एक मुअल्लिम लिखते हैं कि एक दिन फ़ज्र की नमाज़ के बाद मस्जिद की सीढ़ियों पर एक महिला को देखा, जिसने बताया कि वह दुआ कराने आई है जैसा कि ग़ैर-अहमदियों में दम दरूद का

रिवाज है। अतएव हमने उसे जमाअत की शिक्षा से अवगत किया तथा दुआ भी कराई। उस महिला ने बताया कि मुझे सपने आते हैं जिसमें एक लम्बी दाढ़ी वाले व्यक्ति मुझे दीन समझाते हैं। जिस पर उसको अहमदिया जमाअत का परिचय कराया गया और हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम तथा ख़लीफ़ाओं के चित्र दिखाए गए। उसने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का चित्र देख कर कहा कि यही बुज़ुर्ग मेरे सपने में आते हैं।

इन्डोनेशिया के एक क्षेत्र में रहने वाले अब्दुल्लाह साहब का जमाअत के साथ सम्पर्क था तथा हमारी मिश्नरी के निकट होने के कारण विरोधियों ने उन पर आरोप लगाए तथा अपनी मस्जिद में आने से मना कर दिया। उन्होंने सपने में देखा कि ऐसे भंवर में फ़स गया हूँ जो विनाश कर देगा। तत्पश्चात उन्होंने हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम के चित्र को देख कर बताया कि एक बुज़ुर्ग ने ही मुझे उस भंवर से बचाया था। उनके बेटे ने भी सपना देखा था और बाद में ख़लीफ़तुल मसीह सालिस रह, ख़लीफ़तुल मसीह राबे रह. तथा मेरे चित्र को देख कर बताया कि मुझे इन लोगों ने ही बचाया था। अब्दुल्लाह साहब ने अपने परिवार के साथ बैअत कर ली थी।

हुज़ूर-ए-अनवर ने फ़रमाया- माली की एक महिला अहमदी होने से पहले सपने में दो आवाज़ें सुनती थीं, एक तिलावत की तथा दूसरी वहाँ के मुअल्लिम की आवाज़। जमाअत के रेडियो पर मेरे सम्बोधन तथा अन्य प्रोग्राम सुने तो कहा कि यही आवाज़ें हैं जो मैं सुनती थी, फिर उसने बैअत कर ली।

कैमरोन के एक युवा कहते हैं कि कुछ वर्ष पूर्व दो बुज़ुर्गों को सपने में देखा। कुछ दिनों के बाद बाज़ार में एक युवा को जमाअत के पम्फ़लैट बांटते हुए देखा तो उस पम्फ़लैट में हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम का चित्र था, जो सपने में देखा था। जमाअत से सम्पर्क किया, लिट्रेचर पढ़ा तो द्सरा चित्र भी मुझे दिखाई दे गया जो वर्तमान ख़लीफ़ः का था जिन्होंने मुझे सपने में नमाज़ पढ़ाने के लिए कहा था। मेरे अहमदियत क़बूल करने के बाद उस इलाक़े के चीफ़ का देहान्त हुआ तो मुझे उस इलाक़े का चीफ़ बना दिया गया। कहते हैं- ये सारी बरकत मुझे जमाअत में शामिल होने के कारण मिली है।

गिनी बसाव की एक महिला आयशा मारिया साहिबा के दो बेटों ने अहमदियत क़बूल की। उनके बड़े भाई जमाअत के विरोधी हैं तथा वही उनके परिवार को संभालते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि अहमदियत नहीं छोड़ी तो मेरा तुमसे कोई सम्बंध नहीं रहेगा। बेटों ने कहा कि अल्लाह तआला की ज़ात काफ़ी है, हम अहमदियत नहीं छोड़ेंगे। दो दिन बाद सपने में सफ़ेद वस्त्र पहने हुए सफ़ेद दाढ़ी वाले ने सांत्वना दी कि चिंता मत करो, तुम्हारे बेटे सबसे ऊपर रहेंगे। सुबह होते ही मिश्नरी के पास गईं और मेरा चित्र देख कर कहा कि यही बुज़ुर्ग थे। बैअत करने के बाद अत्यंत कमठ अहमदी महिला हैं।

कीनिया के एक इलाक़े भाटी में ईसाइयों का संख्या अधिक है। एक दिन जमाअत के साथ विरोधी व्यवहार रखने वाले मुहम्मद अब्दी नामक व्यक्ति हमारे सैन्टर में नमाज़ के लिए आया, जमाअत का परिचय कराया गया। कुछ दिन बाद मुअल्लिम साहब के निवास पर आया तो एम टी ए पर मेरा ख़ुत्बः लगा हुआ था। ख़ुत्बः पूरा होने के बाद बैअत करने के लिए कहने लगा। इसका कारण पूछा तो बाताया कि पिछली रात आँख खुलने पर आंगन में निकला तो आकाश में रौशन चीज़ देखी जिसका मुझ पर गहरा प्रभाव एवं रौब

था। यह ख़ुत्बः देख कर रात वाला चित्र पूरा हो गया, पूरे परिवार सहित जमाअत में दाख़िल हो गया। सीरालियोन से इब्राहीम नामक एक व्यक्ति ने एम टी ए पर मेरे ख़ुत्बे सुने तथा खुलआम कहने लग गया कि मौलवियों की शिक्षा झूठी है। मैंने स्वयं सुना है इमाम जमाअते अहमदिया अपने ख़ुत्बः में क़ुर्आन करीम और हदीसा से हवाले बयान करते हैं, इनका कलमा भी वही है, इस लिए अहमदिया जमाअत झूठी नहीं हो सकती और उसने अहमदियत क़बूल कर ली।

कांगो कंशासा में एक व्यक्ति अहमद साहब ने अपने आठ लागों के परिवार के साथ बैअत की आर तबलीग़ भी शुरु की जिसके परिणाम स्वरूप 62 लोग अहमदी हो गए। ख़लीफ़ः ए वक़्त तथा ख़िलाफ़त का निज़ाम इनके अहमदी होने का बड़ा कारण बना, इसके बाद इनकी तबलीग़ से भी काफ़ी जमाअत बढ़ी।

अमीर साहब कांगो कंशासा लिखते हैं कि कांगा में जमाअती रेडियों स्टेशन के अतिरिक्त 23 विभिन्न रेडियो सैन्टर्ज़ पर तबलीग़ी, तर्बियती प्रोग्राम एंव ख़ुत्बः जुम्अः प्रसारित किया जाता है। एक स्थानीय ईसाई डाक्टर ने कहा कि मैं नियमद्ध रूप से ख़ुत्बः सुनता हूँ तथा मेरा निवेदन है कि स्थानीय भाषा में इसका अनुवाद किया करें ताकि अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित हों। अल्लाह तआला इस प्रकार इस्लाम और अहमदियत के पैग़ाम पहुंचाने की व्यवस्था फ़रमा रहा है।

हुज़ूर-ए-अनवर ने ट्रेनिडाड, कर्ग़िस्तान, पैरागोए तथा बंगला देश के भी वृत्तांत बयान करके फ़रमाया कि एक समय पर इनके सीने भी खुलेंगे और ये अहमदियत को भी पहचान लेंगे, ख़िलाफ़त की बरकतें जारी रहेंगी।

ये घटनाएँ अहमदिया ख़िलाफ़त के लिए अल्लाह तआला के समर्थन और हज़रत मसीह मौऊद अलैहिस्सलाम ने आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की ग़ुलामी में आकर दुनिया को जो एक संयुक्त उम्मत बनाना था, उसकी सच्चाई का प्रमाण हैं। विपरीत परिस्थितियों के बावजूद केवल अहमदिया ख़िलाफ़त ही पूरे विश्व में इस्लाम की उन्नति एवं तबलीग़ का काम कर रही है जो अल्लाह तआला की क्रिया शील शहादत का प्रमाण है।

अल्लाह तआला के वादे और आँहज़रत सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पेशगोई के अनुसार ख़िलाफ़त अला मिन्हाजुन्नबुव्वः क़यामत तक चलेगी, सदैव क़ायम रहेगी तथा कोई शत्रु इसका बाल भी बांका नहीं कर सकता। अतः अपने ईमानों में ज्वाला पैदा करें, अपने आपको ख़िलाफ़त से जोड़े रखें तथा इसके लिए किसी क़ुर्बानी से पीछे न हटें, अल्लाह तआला इसकी तौफ़ीक़ अता फ़रमाए, आमीन।

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ نَحْمَدُهٗ وَنَسْتَعِيْنُهٗ وَنَسْتَغْفِرُهٗ وَنُؤْمِنُ بِهٖ وَنَتَوَكَّلُ عَلَيْهِ وَنَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنْ شُرُوْرِ اَنْفُسِنَا وَمِنْ سَيِّئَاتِ اَعْمَالِنَا
مَنْ يَّهْدِهِ اللّٰهُ فَلَا مُضِلَّ لَهٗ وَمَنْ يُّضْلِلْهُ فَلَا هَادِيَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنْ لَّا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِيْكَ لَهٗ وَاَشْهَدُ اَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهٗ
وَرَسُوْلُهٗ، عِبَادَ اللّٰهِ رَحِمَكُمُ اللّٰهُ اِنَّ اللّٰهَ يَاْمُرُ بِالْعَدْلِ وَالْاِحْسَانِ وَاِيْتَآءِ ذِي الْقُرْبٰى وَيَنْهٰى عَنِ الْفَحْشَآءِ وَالْمُنْكَرِ وَالْبَغْيِ
يَعِظُكُمْ لَعَلَّكُمْ تَذَكَّرُوْنَ فَاذْكُرُوا اللّٰهَ يَذْكُرْكُمْ وَادْعُوْهُ يَسْتَجِبْ لَكُمْ وَلَذِكْرُ اللّٰهِ اَكْبَرُ۔

हिन्दी अनुवाद को अधिक सुन्दर बनाने हेतु सुझाव का स्वागत है, समपर्क करें-9781831652

टोल फ्री सम्पर्क अहमदिया मुस्लिम जमाअत क़ादियान-18001032131